INDIA'S TV ECOSYSTEM NEEDS URGENT FIX: TRAI CHIEF

TRAI Chairman AK Lahoti strongly advocated for a complete reform of the country's TV viewership measurement system, while a new EY-AIDCF report reveals a staggering 30% decline in pay TV households since 2017 and a sector-wide employment crisis.

TRAI Chairman AK Lahoti described the current viewership rating ecosystem as "distorted" and called for greater competition in audience measurement. Lahoti stressed that monopolies in TV ratings must end, and that there is a pressing need to level the playing field between traditional broadcasters and OTT platforms through technological innovation and regulatory clarity. He reiterated TRAI's commitment to ensuring transparency, fairness, and accountability in how television audiences are measured—an issue that broadcasters have long flagged as problematic.

Simultaneously, a new industry-wide report jointly presented by All India Digital Cable Federation (AIDCF) and Ernst & Young (EY) paints a grim picture for India's cable TV sector. The report finds that pay TV households have dropped by 30% in just six years, with 76,000 local cable operators (LCOs) shutting shop and job losses touching 5.77 lakh across the distribution value chain. Incomes for nearly 93% of LCOs have declined, and 79% report earnings have plunged by over 20%.

The dual crises—a flawed measurement system and a collapsing cable workforce—point to the urgent need for industry-wide reforms. Stakeholders now look toward the government and TRAI for structural interventions that can realign India's broadcast and cable landscape with emerging consumption trends.■

भारत के टीवी इकोसिस्टम को तत्काल सुधार की आवश्यकता हैः ट्राई प्रमुख

ट्राई के अध्यक्ष ए.के.लोहाटी ने देश की टीवी दर्शक संख्या मापन प्रणाली में सुधार की वकालत की, ईवाई-एआईडीसीएफ की नयी रिपोर्ट से पता चलता है कि 2017 से पे टीवी देखने वाले परिवारों में 30% की भारी गिरावट आयी है और क्षेत्र में रोजगार का संकट पैदा हो गया है।

ट्राई के अध्यक्ष ए.के.लोहाटी ने वर्तमान दर्शक रेटिंग प्रणाली को विकृत बताया और दर्शकों के आकलन में अधिक प्रतिस्पर्धा का आहवान किया। लोहाटी ने जोर देकर कहा कि टीवी रेटिंग में एकाधिकार खत्म होना चाहिए और तकनीकी नवाचार व नियामक स्पष्टता के माध्यम से पारंपरिक प्रसारकों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों के बीच प्रतिस्पर्धा के स्तर को समान बनाये रखने की सख्त जरूरत है। उन्होंने टेलीविजन दर्शकों के आकलन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ट्राई की प्रतिबद्धता दोहरायी-एक ऐसा मुद्दा जिसे प्रसारक लंबे समय से समस्याग्रस्त मानते रहे हैं।

ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईडीसीएफ) और अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत एक नयी उद्योग व्यापी रिपोर्ट भारत के केबल टीवी क्षेत्र की गंभीर तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि केवल छह वर्षों में पे टीवी परिवारों की संख्या में **30%** कीगिरावट आयी है, **76000** स्थानीय केबल ऑपरेटरों (एलसीओ) ने अपनी दुकानें बंद कर दी है और वितरण मूल्य श्रृंखला में **5.77** लाख लोगों की नौकरियां चली गयी हैं। लगभग **93%** एलसीओ की आय में गिरावट आयी है और **79%** ने बताया है कि उनकी कमाई में **20%** से अधिक की गिरावट आयी है।

ये दोहरे संकट एक दोषपूर्ण मापन प्रणाली और ढहता केबल कार्यबल-उद्योग व्यापी सुधारों की तत्काल आवश्यकता की ओर इशारा करता है। हितधारक अब सरकार और ट्राई से ऐसे संरचनात्मक हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहे हैं जो भारत के प्रसारण व केबल परिदृश्य को उभरते उपभोग रूझानों के साथ पुर्नसंयोजित कर सकें।■